वशि्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में तीन स्थल शामलि

हाल ही में **गुजरात के वड़नगर शहर**, **मोढेरा में प्रतषि्ठति सूर्य मंदरि** और **त्रपिुरा में उनाकोटि की चट्टानों को काट कर बनाई गई मूर्तयिों** के रूप में इन तीन स्थलों को **संयुक्त राष्ट्र शैक्षकि, वैज्ञानकि एवं सांस्कृतकि संगठन' (United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization- UNESCO)** की वशि्व धरोहर स्थलों की **अस्थायी सूची** में शामलि कयिा गया है।

प्रमुख बदिु

- **वड़नगर:**
  - यह **गुजरात के मेहसाणा ज़लि** में स्थति है और **इसकी एक ऐतहिासकि पृष्ठभूमि** है।
    - इसे चमत्कारपुर, आनंदपुर, स्नेहपुर और वमिलपुर भी कहा जाता है, **वड़नगर शहर का उल्लेख पुराणों में भी कयिा गया है।**
  - यहाँ कई पुरातात्त्वकि संग्रह पाए गए हैं, वड़नगर अपने **तोरणों के लयि प्रसद्धि है,** यहाँ 12वीं शताब्दी के **सोलंकी युग के** लाल और पीले बलुआ पत्थर से **नरि्मति** 40 फीट लंबे **स्तंभों की एक जोड़ी** है जसिे **युद्ध की जीत का** जश्न मनाने के उपलक्ष्य में बनाया गया था।
  - 640 ईस्वी में चीनी बौद्ध यात्री **ह्वेन त्सांग ने इस शहर का दौरा कयिा और कहा जाता है कि उसने अपने यात्रा वृत्तांत में इसका उल्लेख कयिा है।**
  - वर्ष 2008-09 में खुदाई के दौरान **वड़नगर में एक बौद्ध मठ के अवशेष भी मलि थे।**
  - **ताना रीरी परफॉर्मगि आर्ट्स कॉलेज** वड़नगर में है, जसिका नाम दो बहनों, ताना और रीरी की वीरता के सम्मान में रखा गया था। अकबर द्वारा अपने दरबार में गाने के लयि कहने पर उन्होंने अपने प्राणों की आहुति दे दी थी क्योंकि यह उनके रवािज के खलिाफ था।
- **मोढेरा का सूर्य मंदरि:**
  - मोढेरा का **सूर्य मंदरि** मेहसाणा ज़लि के बेचराजी तालुका में रूपन नदी की एक सहायक नदी पुष्पावती के बाएँ कनिारे पर स्थति है।
    - यह पूर्वमुखी मंदरि **चमकीले पीले बलुआ पत्थरों से बना हुआ है।**
  - मंदरि के ववरिण के अनुसार, **यह मारू-गुर्जर स्थापत्य शैली में बनाया गया है**, जसिमें मुख्य मंदरि **(गर्भगृह)**, एक कक्ष **(गढ़मंडप)**, **एक बाहरी कक्ष अथवा सभाकक्ष (सभामंडप या रंगमंडप)** और एक पवत्रि जलाशय **(सूर्य कुंड)** जसिे अब रामकुंड कहा जाता है, शामलि हैं।
    - **रामकुंडा** एक वशिाल आयताकार सीढ़ीदार जलाशय है जो **शायद भारत का सबसे भव्य मंदरि जलाशय** है।
  - प्रतविर्ष **वषिुव (Equinoxes) के समय सूर्य की करिणें सीधे इस मंदरि के केंद्र/गर्भभाग पर पड़ती हैं।**

//

- **उनाकोटि की पत्थरों को काट कर बनाई गई मूर्तियाँ:**
  - यह एक **शैव तीर्थ स्थल** है जो 7वीं अथवा 9वीं शताब्दी का है।
  - उनाकोटि का अर्थ है **एक करोड़ से एक कम** और कहा जाता है कि **इतनी ही संख्या में चट्टानों को काटकर बनाई गई नक्काशी यहाँ उपलब्ध है।**
  - हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, **जब भगवान शिव एक करोड़ देवी-देवताओं के साथ काशी जा रहे थे, तो उन्होंने इस स्थान पर रात्रि विश्राम किया था।**
    - उन्होंने **सभी देवी-देवताओं को सूर्योदय से पहले जागने और काशी के लिये प्रस्थान करने को कहा।**
    - ऐसा कहा जाता है कि सुबह शिव के अलावा कोई और नहीं उठा, अतः **भगवान शिव दूसरों को पत्थर की मूरत बनने का श्राप देते हुए स्वयं काशी के लिये निकल पड़े।**
    - नतीजतन, उनाकोटि में **एक करोड़ से भी कम पत्थर की मूरतियाँ और नक्काशियाँ हैं।**
  - उनाकोटी में पाए गए चित्र दो प्रकार के हैं, अर्थात् **चट्टानों को काट कर बनाए गए नक्काशीदार चित्र** और **पत्थर से बने चित्र**।
    - **चट्टानों को काट कर बनाए गए नक्काशीदार चित्रों के ठीक बीच में शिव का सिर और गणेश की विशाल आकृतियाँ उल्लेखनीय हैं।**
      - शिव के सिर को **'उनाकोटिश्वर कालभैरव'** के रूप में जाना जाता है।
      - शिव के मस्तक के दोनों तरफ दो महिलाओं की पूर्ण आकृतियाँ हैं **-एक शेर पर खड़ी दुर्गा की और दूसरी ओर अन्य महिला आकृति।**
      - इसके अलावा **नंदी बैल की तीन विशाल प्रतिमाएँ ज़मीन में आधी दबी हुई पाई गई हैं।**
  - **'अशोकाष्टमी मेला'** के नाम से प्रसिद्ध एक भव्य **मेला** प्रतिवर्ष **अप्रैल के महीने** में आयोजित किया जाता है, **जिसमें हज़ारों तीर्थयात्री आते** हैं।

यूनेस्को की अस्थायी सूची:

- यूनेस्को की अस्थायी सूची उन संपत्तियों की सूची है, **जिन पर प्रत्येक पक्षकार नामांकन के लिये विचार करना चाहती है।**
  - यूनेस्को के **संचालनात्मक दिशा-निर्देश** (Operational Guidelines), 2019 के अनुसार, किसी भी स्मारक/स्थल को**विश्व विरासत स्थल (World Heritage Site)** की सूची में अंतिम रूप से शामिल करने से पहले उसे एक वर्ष के लिये इसकी अस्थायी सूची में रखना अनिवार्य है।
  - इसमें नामांकन हो जाने के बाद इसे **विश्व विरासत केंद्र (World Heritage Centre) को भेज दिया जाता है।**
- **भारत में अब अस्थायी सूची में 52 स्थल हैं।**

विश्व विरासत स्थल:

- यूनेस्को की **विश्व विरासत सूची** (World Heritage List) में विभिन्न क्षेत्रों या वस्तुओं को शामिल किया गया है।
- यह सूची यूनेस्को द्वारा वर्ष 1972 में अपनाई गई **'विश्व सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण से संबंधित कन्वेंशन'** नामक एक अंतर्राष्ट्रीय संधि में सन्निहित है।
  - विश्व विरासत केंद्र वर्ष **1972 में हुए कन्वेंशन का सचिवालय है।**
- यह पूरे विश्व में उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्यों के प्राकृतिक और सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षण को बढ़ावा देता है।
- इसमें तीन प्रकार के स्थल शामिल हैं: सांस्कृतिक, प्राकृतिक और मिश्रित।
  - **सांस्कृतिक विरासत** (Cultural Heritage) स्थलों में ऐतिहासिक इमारत, शहर स्थल, महत्त्वपूर्ण पुरातात्त्विक स्थल, स्मारकीय मूर्तिकला और पेंटिंग कार्य शामिल किये जाते हैं।
  - **प्राकृतिक विरासत** (Natural Heritage) में उत्कृष्ट पारिस्थितिक और विकासवादी प्रक्रियाएँ, अद्वितीय प्राकृतिक घटनाएँ, दुर्लभ या लुप्तप्राय प्रजातियों के आवास स्थल आदि शामिल किये जाते हैं।
  - **मिश्रित विरासत** (Mixed Heritage) स्थलों में प्राकृतिक और सांस्कृतिक दोनों प्रकार के महत्त्वपूर्ण तत्त्व शामिल होते हैं।
- **भारत में यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त कुल 40 विरासत धरोहर स्थल (32 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक और 1 मिश्रित)** हैं। इनमें शामिल **धौलावीरा** का हड़प्पा शहर **और** काकतीय रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर सबसे नए हैं।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, पिछले वर्ष के प्रश्न (PYQs)

प्रश्न. निम्नलिखित कथनों में से कौन सा सही है? (2021)

(a) अजंता की गुफाएँ वाघोरा नदी के घाट में स्थित हैं।
(b) सांची स्तूप चंबल नदी के घाट में स्थित है।
(c) पांडु-लीना गुफा मंदिर नर्मदा नदी के घाट में स्थित हैं।
(d) अमरावती स्तूप गोदावरी नदी के घाट में स्थित है।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- ये गुफाएँ महाराष्ट्र में औरंगाबाद के पास वाघोरा नदी के पास सह्याद्रि पर्वतमाला (पश्चिमी घाट) में रॉक-कट गुफाओं की एक शृंखला के रूप में स्थित हैं। इसमें कुल 29 गुफाएँ (सभी बौद्ध) हैं, जिनमें से 25 को विहार या आवासीय गुफाओं के रूप में, जबकि 4 को चैत्य या प्रार्थना हॉल के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। गुफाओं का विकास 200 ई.पू. से 650 ईस्वी के मध्य हुआ था। वाकाटक राजाओं जिनमें हरिसेना एक प्रमुख था, के संरक्षण में अजंता की गुफाएँ बौद्ध भिक्षुओं द्वारा उत्कीर्ण की गई थीं। अजंता की गुफाओं की जानकारी चीनी बौद्ध यात्रियों फाहियान (चंद्रगुप्त द्वितीय के शासनकाल के दौरान 380- 415 ईस्वी) और ह्वेन त्सांग (सम्राट हर्षवर्धन के शासनकाल के दौरान 606 - 647 ईस्वी) के यात्रा वृतांतों में पाई जाती है। इन गुफाओं में आकृतियों को फ्रेस्को पेंटिंग का उपयोग करके दर्शाया गया था। इन गुफाओं के चित्रों में लाल रंग की प्रचुरता है किंतु नीले रंग की अनुपस्थिति है। इन चित्रों में सामान्यतः बुद्ध और जातक कहानियों को प्रदर्शित किया गया है। इन गुफाओं को वर्ष 1983 में यूनेस्को ने विश्व विरासत स्थल घोषित किया था।
- बौद्ध स्मारक पांडवलेनी गुफाएँ, जिन्हें पांडु-लीना गुफाओं और त्रिरश्मी गुफाओं के नाम से भी जाना जाता है, 24 रॉक-कट गुफाओं का एक समूह है। ये नासिक शहर की त्रिविश्मी पहाड़ी के उत्तरी मुख पर स्थित हैं। नासिक शहर गोदावरी नदी के तट पर स्थित है।
- अमरावती स्तूप एक हाथी को वश में करते हुए भगवान बुद्ध को मानव रूप में दिखाता है। स्तूप, साँची स्तूप की तुलना में लंबा है और एक विशाल गोलाकार गुंबद के साथ-साथ चार मुख्य दिशाओं में फैले हुए ऊँचे मंच हैं। अमरावती स्तूप कृष्णा नदी के पास स्थित है।

अतः विकल्प (a) सही है।

प्रश्न. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये: (2019)

मशहूर स्थल	**नदी**
1. पंढरपुर	चंद्रभागा
2. तिरुचिरापल्ली	कावेरी
3. हम्पी	मलप्रभा

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- पंढरपुर श्री विठ्ठल और रुक्मिणी का पवित्र स्थान है। इसे भारत की दक्षिणी काशी और महाराष्ट्र राज्य के कुलदैवता के नाम से भी जाना जाता है। चंद्रभागा (भीमा) नदी शहर से होकर बहती है। **अतः युग्म 1 सही सुमेलित है।**
- कावेरी नदी के तट पर स्थित तिरुचिरापल्ली तमिलनाडु का चौथा सबसे बड़ा शहर है। यह प्रारंभिक चोलों का गढ़ था जो बाद में पल्लवों के अधीन हो गया। **अत: युग्म 2 सही सुमेलित है।**
- हम्पी कर्नाटक राज्य में होस्पेट शहर के पास स्थित भारत में यूनेस्को का विश्व धरोहर स्थल है। यह तुंगभद्रा नदी के दक्षिणी तट पर स्थित है। **अतः युग्म 3 सुमेलित नहीं है।**
- **अतः विकल्प (a) सही है।**

स्रोत: द हिंदू

समुद्रयान मिशन

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अनुसार, **समुद्रयान मिशन को वर्ष 2026 तक पूरा किये जाने की उम्मीद** है।

समुद्रयान मिशन:

- **परिचय:**
  - मिशन का उद्देश्य गहरे समुद्र में अन्वेषण और दुर्लभ खनिज संसाधनों की खोज के लिये तीन व्यक्तियों को '**मत्स्य 6000**' नामक वाहन में **6000 मीटर की गहराई** तक समुद्र में भेजना है।

        - **'मत्स्य 6000'** वाहन को पृथ्वी वज्ञिान मंत्रालय के तहत **राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगकिी संस्थान (NIOT), चेन्नई** द्वारा वकिसति और डज़िाइन कयिा जा रहा है।
        - मानव सुरक्षा हेतु इसकी क्षमता सामान्य स्थतियिों में 12 घंटे और आपात स्थतिमिें 96 घंटे है।
    - यह भारत का पहला अनोखा मानवयुक्त समुद्रीय मशिन है जो 6000 करोड़ रुपए के **डीप ओशन मशिन** का हस्सिा है।
- **महत्त्व**:
    - मानवयुक्त सबमर्सबिल वैज्ञानकि कर्मयिों को प्रत्यक्ष परीक्षण द्वारा गहरे समुद्र के अस्पष्टीकृत क्षेत्रों को देखने और समझने में सक्षम बनता है।
    - यह केंद्र सरकार के **'न्यू इंडयिा'** कार्यक्रम के दृष्टकिोण को भी बढ़ावा देगा, जो वकिास के दस प्रमुख आयामों में से एक के रूप में **नीली अर्थव्यवस्था (ब्लू इकॉनमी)** को उजागर करता है।
        - भारत के पास 7517 कि.मी. लंबी तटरेखा के साथ अपनी एक अद्वतिीय समुद्री स्थतिि है जसिमे नौ तटीय राज्य और 1,382 द्वीप शामलि है।
        - भारत तीनों ओर से समुद्र से घरिा हुआ है तथा तटीय क्षेत्रों और तटीय प्रदेशों में रहने वाली देश की लगभग 30% आबादी, एक प्रमुख आर्थकि कारक है।
        - यह मत्स्य पालन और जलीय कृषि, पर्यटन, आजीवकिा और 'ब्लू ट्रेड' का समर्थन करता है।

डीप ओशन मशिन:

- इसे जून 2021 में पृथ्वी वज्ञिान मंत्रालय द्वारा अनुमोदति कयिा गया था। इसका उद्देश्य संसाधनों के लयि गहरे समुद्र का अन्वेषण करना, महासागरीय संसाधनों के सतत् उपयोग के लयि गहरे समुद्र की प्रौद्योगकियिों का वकिास करना और साथ ही भारत सरकार की **नीली अर्थव्यवस्था** संबंधी पहलों का समर्थन करना है।
- पाँच वर्ष की अवधि वाले इस मशिन की अनुमानति लागत 4,077 करोड़ रुपए है जसिे चरणबद्ध तरीके से लागू कयिा जाएगा।

अन्य संबंधति पहलें:

- **सतत् वकिास हेतु 'ब्लू इकॉनमी' पर भारत-नॉर्वे टास्क फोर्स:** दोनों देशों के बीच संयुक्त पहल को वकिसति करने और उसका पालन करने हेतु वर्ष 2020 में दोनों देशों द्वारा संयुक्त रूप से इसका उद्घाटन कयिा गया था।
- **सागरमाला परयिोजना: सागरमाला परयिोजना** बंदरगाहों के आधुनकिीकरण हेतु आईटी सक्षम सेवाओं के व्यापक उपयोग के माध्यम से बंदरगाह वकिास के लयि एक रणनीतकि पहल है।
- **ओ-स्मार्ट: ओ-स्मार्ट** एक अम्ब्रेला योजना है जसिका उद्देश्य सतत् वकिास के लयि महासागरों और समुद्री संसाधनों का वनियिमति उपयोग करना है।
- **एकीकृत तटीय क्षेत्र प्रबंधन:** यह तटीय और समुद्री संसाधनों के संरक्षण तथा तटीय समुदायों के लयि आजीवकिा के अवसरों में सुधार पर केंद्रति है।
- राष्ट्रीय मत्स्य नीति: भारत में समुद्री और अन्य जलीय संसाधनों से मत्स्य संपदा के सतत् उपयोग पर ध्यान केंद्रति कर 'ब्लू ग्रोथ इनशिएिटवि' को बढ़ावा देने हेतु एक राष्ट्रीय मत्स्य नीति मौजूद है।

स्रोत: पी.आई.बी.

कोरोनावायरस का BF.7 वेरएिंट

चीन में कोवडि-19 संक्रमण के बढ़ते मामलों का कारण BF.7 को ओमक्रिोन का सब-वैरएिंट माना जा रहा है जो वहाँ पहले से उपस्थति है।

कोरोनावायरस का BF.7 संस्करण:

- चीन में प्रमुख वायरस स्ट्रेन BF.7 है, **जो ओमक्रिोन का एक उप-संस्करण है, इसका संचरण एक साल से अधकि समय से हो रहा है।**
- वर्तमान में **ओमक्रिोन के 500 से अधकि सब-वेरएिंट प्रचलन में हैं।**
- BF.7, **BA.5.2.1.7 का नाम है, जो स्वयं BA.5 सब-वैरएिंट से वकिसति हुआ है।**
- BF.7 **चीन के लयि अद्वतिीय नहीं है।**
    - यह अक्तूबर **2022 में अमेरकिा में 5% तथा यूके में 7% से अधकि मामलों** के लयि ज़िम्मेदार था।

- जब **वायरस उत्परिवर्तित होते हैं, तो वे संस्करण और उप-संस्करण बनाते हैं** - जैसे SARS-CoV-2 पेड़ के मुख्य तने में शाखाएँ और उप-शाखाएँ निकलती हैं।
- एक शोध अध्ययन में बताया कि BF.7 सब-वैरिएंट में मूल D614G वैरिएंट की तुलना में 4.4 गुना अधिक न्यूट्रलाइज़ेशन प्रतिरोध क्षमता है, जिसका अर्थ है कि एक प्रयोगशाला में टीकाकृत या मूल वुहान वायरस, जो 2020 में दुनिया भर में फैल गया था, से संक्रमित व्यक्तियों के एंटीबॉडी में BF.7 को खत्म करने की संभावना कम थी।
    - एक उच्च न्यूट्रलाइज़ेशन प्रतिरोध का मतलब है कि **किसी आबादी में वैरिएंट के फैलने और अन्य वेरिएंट को बदलने की संभावना अधिक है।**.

नए वेरिएंट कैसे बनते हैं?

- जब कोई वायरस गुणात्मक रूप से बढ़ता है, **तो वह हमेशा अपनी एक सटीक प्रतिलिपि नहीं बना पाता है।**
    - इसका मतलब यह है कि **समय के साथ वायरस अपने आनुवंशिक अनुक्रम के मामले में थोड़ा भिन्न हो सकता है।**

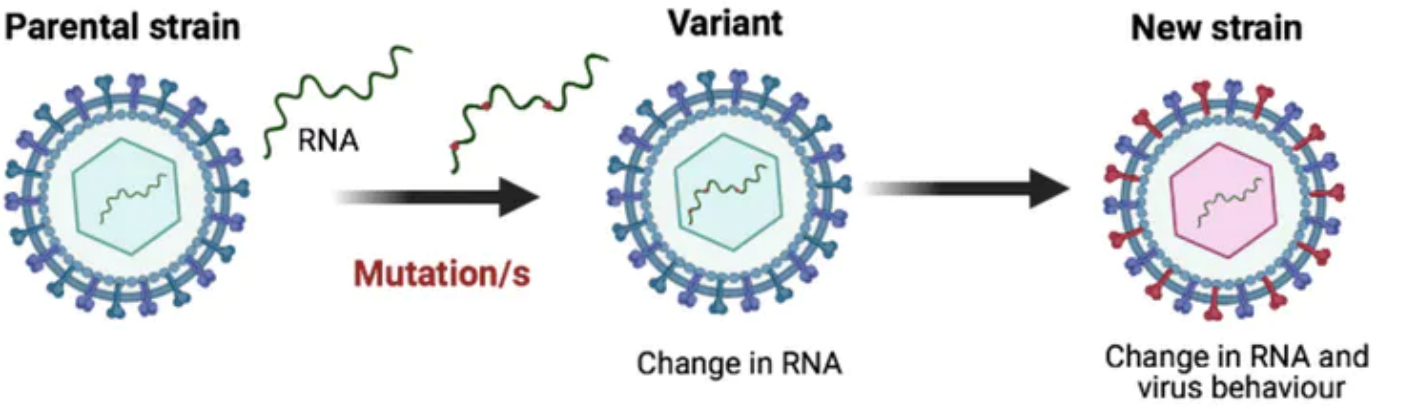

- इस प्रक्रिया के दौरान वायरल अनुवांशिक अनुक्रम में कोई भी परिवर्तन **उत्परिवर्तन के रूप में जाना जाता है।**
- **नए उत्परिवर्तन (म्यूटेशन) वाले वायरस को कभी-कभी वेरिएंट कहा जाता है।** वेरिएंट में एक या एक से अधिक म्यूटेशन का अंतर हो सकता है।
- जब एक नए वेरिएंट में मूल वायरस की तुलना में अलग-अलग कार्यात्मक गुण होते हैं और यह जन आबादी के बीच अपना स्थान बना लेता है, तो इसे कभी-कभी वायरस के नए स्ट्रेन के रूप में जाना जाता है।
    - सभी स्ट्रेन, वेरिएंट होते हैं लेकिन सभी वेरिएंट स्ट्रेन नहीं होते।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न (PYQs)

प्रश्न. कोवडि-19 वैश्विक महामारी को रोकने के लिये बनाई जा रही वैक्सीनों के प्रसंग में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. सीरम संस्थान ने mRNA प्लेटफॉर्म का प्रयोग कर कोविशील्ड नामक कोवडि-19 वैक्सीन निर्मित की।
2. स्पुतनिक V वैक्सीन रोगवाहक (वेक्टर) आधारित प्लेटफॉर्म का प्रयोग कर बनाई गई है।
3. कोवैक्सीन एक निष्क्रिय रोगजनक आधारित वैक्सीन है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: B

व्याख्या:

- COVISHIELD वैक्सीन उस प्लेटफॉर्म पर आधारित है जो SARS-CoV-2 स्पाइक (S) ग्लाइकोप्रोटीन को एन्कोडिंग करने वाले एक पुनःसंयोजक, प्रतिकृति-रहित चिंपैंजी एडेनोवायरस वेक्टर का उपयोग करता है। इसे लगाए जाने के बाद कोरोनावायरस के हिस्से की आनुवंशिक सामग्री प्रकट होती है जो एक प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को उत्तेजित करती है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- स्पुतनिक V एक अच्छी तरह से अध्ययन किये गए मानव एडेनोवायरस वेक्टर प्लेटफॉर्म पर आधारित विश्व की पहली पंजीकृत वैक्सीन है। इसे 4 अरब लोगों की कुल आबादी वाले 71 देशों में उपयोग के लिये मंज़ूरी दी गई है। वैक्सीन का नाम पहले सोवियत अंतरिक्ष उपग्रह के नाम पर रखा गया

है। 5 दसिंबर, 2020 और 31 मार्च, 2021 के बीच दोनों वैक्सीन घटकों के साथ वैक्सीन लगाए गए रूसियों के बीच कोरोनावायरस की घटनाओं के आँकड़ों के वशि्लेषण के आधार पर वैक्सीन की प्रभावकारिता 97.6% है। **अतः कथन 2 सही है।**

- Covaxin एक नषि्क्रयि वायरल वैक्सीन है। इस वैक्सीन को होल-वरियिन इनएक्टविटेड वेरो सेल-व्युत्पन्न तकनीक से वकिसति कयिा गया है। उनमें नषि्क्रयि वायरस होते हैं, जो कसिी व्यक्ति को संक्रमति नहीं कर सकते हैं, लेकनि फरि भी प्रतरिक्षा प्रणाली को सक्रयि वायरस के खलिाफ एक रक्षा तंत्र तैयार करने में सक्षम बनाया जा सकता है। **अतः कथन 3 सही है।**

अत: वकिल्प B सही है।

स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 22 दसिंबर, 2022

रामानुजन स्मृति दविस

भारत में प्रतविर्ष **22 दसिंबर** को **राष्ट्रीय गणति दविस** मनाया जाता है। इसे **रामानुजन स्मृति दविस** के नाम से भी जाना जाता है। यह देश के महान गणतिज्ञ श्रीनविास रामानुजन को समर्पति है जनिका जन्म **22 दसिंबर, 1887** को हुआ था। 22 दसिंबर, 2012 को भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सहि ने चेन्नई में महान गणतिज्ञ श्रीनविास अयंगर रामानुजन की 125वीं वर्षगाँठ पर आयोजति एक कार्यक्रम में उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए वर्ष 2012 को राष्ट्रीय गणति वर्ष एवं उनके जन्मदनि को राष्ट्रीय गणति दविस घोषति कयिा था। गणति का **मानवता के वकिास में बड़ा महत्त्व है। इस महत्त्व के प्रति लोगों के बीच जागरुकता पैदा करना राष्ट्रीय गणति दविस का मुख्य उद्देश्य है।** इलाहाबाद स्थति सबसे पुरानी वज्ञिान अकादमी **नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस इंडयिा** प्रत्येक वर्ष गणति के अनुप्रयोगों और रामानुजन पर कार्यशाला का आयोजन करती है।

कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र

रूसी सरकारी परमाणु ऊर्जा नगिम, **रोसेटम ने** कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र को अ**धकि उन्नत ईंधन वकिल्प** प्रदान करने का प्रस्ताव कयिा है। कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र में **TVS-2M फ्यूल एसेंबली** के उपयोग से दूसरी इकाई में अभी उपयोग कयि जा रहे **UTVS फ्यूल एसेंबली** के साथ 12 महीने के प्रचालन चक्र के स्थान पर **18 महीने** का प्रचालन चक्र संचालति हो सकेगा। कुडनकुलम नाभकिीय वद्युित परयिोजना (KKNPP) **भारत के तमलिनाडु राज्य के कुडनकुलम** में स्थति है। इस परयिोजना में **1000 मेगावाट वद्युित क्षमता वाले दो यूनटि (KKNPP 1 तथा 2) हैं।** पहले यूनटि ने **22 अक्तूबर, 2013 से वद्युित ग्रडि को वद्युित आपूर्ति** करना आरंभ कयिा। दूसरी तरफ कुडनकुलम क्षेत्र में सैकड़ों पवन चक्कयिाँ भी हैं, जनिमें **से आठ परमाणु संयंत्र आधारति** हैं। इन **पवन टर्बाइनों की कुल क्षमता 2000 मेगावाट** है और भारत में सबसे बड़े पवन फार्मों में से एक का प्रतनिधित्वि करती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/current-affairs-news-analysis-editorials/prelims-facts/22-12-2022/print